हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

# प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 39 | प्रयागराज, बुधवार 10 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

## कर्नाटक चुनाव में 375 करोड़ रुपये जब्त किए गए, 2018 की तुलना में 4.5 गुना अधिक : ईसीआई

**नई दिल्ली।** भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को कहा कि 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान कुल 375 करोड़ रुपये की जब्ती की गई, जबकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दक्षिणी राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 288 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। चुनाव आयोग ने यह खुलासा 8 मई को प्रचार समाप्त होने के एक दिन बाद किया। कर्नाटक में 10 मई को मतदान होना है और मतों की गिनती 13 मई को होगी। पोल पैनल के अनुसार, पिछले कुछ चुनावों से श्प्रलोभन–मुक्तश चुनावों पर इसका जोर जारी रहा है और कर्नाटक के चुनाव वाले राज्य में चुनाव खर्च की निगरानी के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव की तुलना में राज्य में रिकॉर्ड की गई बरामदगी में 4.5 गुना की वृद्धि हुई है। इसने बताया कि कड़ी निगरानी, व्यापक निगरानी, पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय और अंतर–एजेंसी समन्वय ने इस बार कर्नाटक में चेकिंग फ्लो और डिस्ट्रीब्यूशन की जांच की है। पोल पैनल ने कहा कि उसने 147.46 करोड़ रुपये की नकदी और 83.66 करोड़ रुपये की शराब जब्त की है। इसने




आगे कहा कि ड्रग्स की कीमत 23.6 करोड़ रुपये, कीमती धातुएं 96.6 करोड़ रुपये और 24.21 करोड़ रुपये की मुफ्त चीजें हैं। चुनाव आयोग ने कहा, ष्2023 में, उसने कुल 375 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की, जो 2018 के विधानसभा चुनावों में 83.93 करोड़ रुपये की तुलना में 4.5 गुना अधिक है। इसने कहा कि इसके अतिरिक्त, मार्च, 2023 के दूसरे सप्ताह में आयोग के दौरे की तारीख से चुनाव की घोषणा की तारीख तक, चुनाव वाले राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 83.78 करोड़ रुपये की जब्ती भी की गई।

चुनाव आयोग ने कहा, ईडी ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 288 करोड़ रुपये की संपत्ति भी कुर्क की है। इसने यह भी कहा कि उल्लेखनीय बरामदगी में कोलार जिले के बंगारापेट एसी में 4.04 करोड़ रुपये की नकदी की जब्ती, हैदराबाद में अवैध रूप से अल्प्रोजोलम बनाने वाली लैब पर छापा मारना और एनसीबी द्वारा की गई ट्रेल मैपिंग, बीदर जिले में जब्त 100 किलोग्राम गांजा सहित सभी जिलों से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है। व्यय निगरानी की एक और उल्लेखनीय विशेषता मुफ्त उपहारों की भारी जब्ती रही है। कलबुर्गी, चिकमंगलूर और अन्य जिलों से साड़ियां और खाने के किट जब्त किए गए हैं। बैलहोंगल और कुनिगल और अन्य एसी से भारी मात्रा में प्रेशर कुकर और रसोई के उपकरण भी जब्त किए गए। पैनल ने 146 व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया था और 81 विधानसभा क्षेत्रों को कड़ी निगरानी के लिए व्यय संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया था। आयोग ने 1 मई को कर्नाटक और पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु की सीमा चौकियों के माध्यम से कानून और व्यवस्था की स्थिति और अंतर–राज्य चौकसी की भी समीक्षा की थी। समीक्षा में इन सभी सीमावर्ती राज्यों के मुख्य सचिवों, डीजीपी, आबकारी आयुक्तों और प्रमुख प्रवर्तन एजेंसियों के क्षेत्रीय प्रमुखों ने भाग लिया। इस अवसर पर, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सीमावर्ती जिलों में विशेष रूप से 185 चेक पोस्टों की उचित मैनिंग और निगरानी पर जोर दिया था। आयोग ने कहा कि इस तरह की सीमा चौकियों से नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और मुफ्त सामान की जब्ती बाद में 70 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।

## नाव हादसे को लेकर भाजपा ने केरल के पर्यटन मंत्री का इस्तीफा मांगा

**तिरुवनंतपुरम।** केरल भाजपा ने तनूर नाव हादसे में गंभीर चूक का आरोप लगाते हुए राज्य के पर्यटन मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास का इस्तीफा मांगा है। राज्य भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि 2009 में हुई तेक्कडी त्रासदी के बाद कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई जिसमें एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन पर 45 लोग डूब गए थे, जिनमें ज्यादातर दूसरे राज्यों के थे। सुरेंद्रन ने दावा किया कि अगर तेक्कडी त्रासदी की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की गई होती तो तनूर त्रासदी को टाला जा सकता था। भाजपा नेता ने कहा, रियास को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना होगा।

अगर उचित कार्रवाई की जाती तो 22 लोगों की जान बचाई जा सकती थी। केरल में केवल बयानबाजी और विज्ञापन ही होते हैंकृ हाउसबोट के संचालन के लिए कोई प्रभावी दिशा–निर्देश नहीं हैंकृ किसी को नहीं मालूम कि केरल में कितने हाउसबोट हैं या उनकी कोई प्रभावी निगरानी की जा रही है या नहीं। सुरेंद्रन ने कहा, ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है क्योंकि सुरक्षा में किसी की दिलचस्पी नहीं है। हम उचित जांच और जांच के आधार पर कार्रवाई की मांग करते हैं।

## सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक में 4 प्रतिशत मुस्लिम कोटा पर अमित शाह के बयान पर जताई आपत्ति

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण के संबंध में दिए गए बयान के बारे में अदालत को सूचित किए जाने के बाद सार्वजनिक बयान नहीं दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए एक बयान का हवाला दिया। पीठ ने कहा कि अदालत इस तरह के राजनीतिकरण की अनुमति नहीं दे सकती, जब हम मामले की सुनवाई कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, जब मामला विचाराधीन है और शीर्ष अदालत के समक्ष है तो इस तरह के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। कर्नाटक सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रस्तुत किया कि कोई भी धर्म–आधारित आरक्षण असंवैधानिक है। कथित तौर पर गश्ह मंत्री ने मुस्लिम आरक्षण को संविधान के खिलाफ बताया है। मेहता ने इस तरह के एक बयान के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार किया। दवे ने तर्क दिया कि वह अदालत के समक्ष मंत्री के बयान को रिकॉर्ड पर ला सकते हैं। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत का



राजनीति से कोई लेना–देना नहीं है और इस पर सार्वजनिक बयान नहीं दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने मेहता का बयान दर्ज किया कि मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण खत्म करने के राज्य सरकार के 27 मार्च के फैसले पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। दलीलों के बाद पीठ ने मामले की सुनवाई जुलाई तक के लिए टाल दी। याचिकाकर्ताओं, जिनमें एल गुलाम रसूल और अन्य शामिल हैं, ने तर्क दिया है कि ईडब्ल्यूएस लिस्ट में मुस्लिम समुदाय को शामिल करना गैरकानूनी है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार द्वारा मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत ओबीसी कोटे को खत्म करने और उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के तहत रखने के तरीके के खिलाफ कुछ कड़ी टिप्पणियां की थीं, जिसमें कहा गया था कि निर्णय लेने की प्रक्रिया का आधार अत्यधिक अस्थिर और त्रुटिपूर्ण है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्य सरकार का फैसला प्रथम दष्टया गलत धारणा पर आधारित था और इसे गलत ठहराया गया क्योंकि यह एक आयोग की अंतरिम रिपोर्ट पर आधारित है। याचिकाकर्ताओं ने मुस्लिम कोटे को खत्म करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया।

## पायलट-गहलोत लड़ाई पर जल्द होगी दिल्ली में कांग्रेस की बैठक

**नई दिल्ली।** राजस्थान कांग्रेस नेता सचिन पायलट के मंगलवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की फिर आलोचना करने के बाद पार्टी के राज्य प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में राज्य के नेताओं की एक बैठक बुलाने का फैसला किया है। सूत्रों से ये जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही बैठक की तारीख फाइनल की जाएगी। सूत्र ने कहा कि रंधावा राजस्थान संकट पर चर्चा के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के कर्नाटक से लौटने का इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि रंधावा ने राजस्थान के वरिष्ठ नेतृत्व और सभी महासचिवों और सचिवों को दिल्ली की बैठक में शामिल होने के लिए कहा है। बैठक आयोजित करने का फैसला तब आया जब पायलट ने जयपुर में गहलोत के खिलाफ तीखा हमला किया। संयोग से, राहुल गांधी भी राजस्थान में हैं। जयपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा, परसों धौलपुर में मुख्यमंत्री के भाषण से यह बात



साफ हो गई है। पायलट ने गहलोत के उस बयान पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने बीजेपी नेताओं की तारीफ की थी, लेकिन पार्टी के अपने ही सांसदों और विधायकों की छवि खराब की। रविवार को गहलोत ने कहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और भाजपा के दो नेता कैलाश मेघवाल और शोभरानी कुशवाहा ने उनकी सरकार को बचाने में मदद की थी। गहलोत के बयान पर पायलट ने कहा, गहलोत बताएं कि उनके बयान के क्या मायने हैं। एक तरफ वो कहते हैं कि बीजेपी उनकी सरकार गिराने की कोशिश कर रही थी, दूसरी तरफ वो कहते हैं कि वसुंधरा राजे उनकी सरकार बचाने की कोशिश कर रही थीं। वो कहना क्या चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह 11 मई को भ्रष्टाचार के मुद्दे को उजागर करने और राज्य के लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए अजमेर से जयपुर तक अपनी जन संघर्ष पदयात्रा शुरू करेंगे।

## महरौली हत्याकांड: दिल्ली की अदालत ने पूनावाला के खिलाफ आरोप तय किए

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने महरौली हत्याकांड में अपनी लिव–इन पार्टनर श्रद्धा वाल्कर का गला घोंटने और फिर उसके शव के कई टुकड़े करने के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ मंगलवार को आरोप तय किए। साकेत कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनीषा खुराना कक्कड़ ने पूनावाला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) और 201 (साक्ष्य मिटाना) के तहत आरोप तय किए हैं। एएसजे खुराना ने कहा, प्रथम दष्टया धारा 302 का मामला बनता है और आरोप तय किए जाएंगे। न्यायाधीश ने कहा कि खुद को सजा से बचाने के लिए, पूनावाला ने वाल्कर के शरीर को काट दिया और इसे विभिन्न जगहों पर फेंक दिया, इसलिए यह आईपीसी की धारा 201 के तहत भी अपराध है। पूनावाला ने वाल्कर की हत्या के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया और मामले को अब सुनवाई के लिए 1 जून की तारीख तय की गई है जब अभियोजन पक्ष साक्ष्य की रिकॉर्डिंग के लिए सूचीबद्ध करेगा।

## मणिपुर हिंसाः 1700 घरों को जलाया गया, सेना की कड़ी निगरानी, 11 जिलों में दी गई कर्फ्यू में ढील

**इंफाल।** हिंसा प्रभावित मणिपुर में स्थिति में सुधार हो रहा है तथा किसी भी अप्रिय घटना की कोई ताजा खबर नहीं है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जिन 11 जिलों में कर्फ्यू लगाया गया था वहां भी इसमें ढील दी गई है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ दिन में पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा में 60 लोगों की मौत हो गई और 231 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि इस हिंसा के दौरान मंदिरों तथा गिरजाघरों समेत 1,700 इमारत और मकान जला दिये गये। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पूरे राज्य में स्थिति में सुधार हो रहा है, पिछले 24 घंटों में हिंसा की कोई खबर नहीं हैकृ इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में आज सुबह पांच बजे से चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई है। अन्य नौ प्रभावित जिलों में भी इसी तरह की छूट दी जा रही है।" मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय द्वारा उसे अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुरश (एटीएसयूएम) की ओर से तीन मई



को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी, जो रातोंरात पूरे राज्य में फैल गई थी। पूर्व में आरक्षित वन भूमि से कुकी ग्रामीणों को बेदखल करने पर उत्पन्न तनाव के चलते झड़पें हुईं, जिसके कारण कई छोटे–छोटे प्रदर्शन हुए। मणिपुर की कुल आबादी में मेइती समुदाय की 53 प्रतिशत हिस्सेदारी होने का अनुमान है। इस समुदाय के लोग मुख्यतः इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी सहित अन्य आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत के करीब है तथा वे मुख्यतः इंफाल घाटी के आसपास स्थित पहाड़ी जिलों में रहते हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार शाम को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने मृतकों के परिवार को पांच–पांच लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को दो–दो लाख रुपए तथा मामूली रूप से घायल लोगों को 25,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, ''ये बहुत–बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हैं। मैं लोगों से जल्द से जल्द शांति का माहौल बनाने की अपील करता हूं। सिंह ने बताया कि हिंसा के दौरान मंदिरों तथा गिरजाघरों समेत 1,700 इमारत और मकान जला दिए गए। उन्होंने कहा कि उन लोगों को दो–दो लाख रुपए दिए जाएंगे जिनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सिंह ने कहा, "मणिपुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद राहत शिविरों में फंसे 20,000 से अधिक लोगों को अब सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। 10,000 और लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगाकृ। मानव जीवन अनमोल है और घरों और संपत्तियों को नष्ट करना अस्वीकार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षाबल के कर्मियों से 1,041 बंदूक लूटी गईं जिनमें से 214 बरामद कर ली गई हैं। सिंह ने कहा कि सरकार ने चुराचांदपुर, उखरुल, इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों के फंसे लोगों को वापस लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। सिंह ने कहा, ''पुलिस अधीक्षकों को संवेदनशील इलाकों की पहचान करने तथा मालिकों की अनुपस्थिति में भूमि और संपत्ति की चौबीसों घंटे सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें लूट या ऐसी जमीन और संपत्ति पर कब्जा जमाने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है।

## केंद्र की सत्ता में बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते, मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस ने साधा निशाना

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने मणिपुर की हालिया हिंसा को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि केंद्र की सत्ता में बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकते। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड की एक टिप्पणी से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए कहा, ''प्रधान न्यायाधीश ने जो कहा है उसके परिप्रेक्ष्य में मणिपुर उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने जो किया है, वह आश्चर्यजनक है। रमेश ने कहा कि केंद्र की सत्ता में बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकते। उन्होंने जो खबर साझा की है उसके मुताबिक, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा है कि उच्च न्यायालय को अनुसूचित जनजाति की सूची में बदलाव करने के लिए निर्देश देने का अधिकार नहीं है। मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय द्वारा उसे अनुसूचित



जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) की ओर से तीन मई को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्चश के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी, जो रातोंरात पूरे राज्य में फैल गई थी। मणिपुर की कुल आबादी में मेइती समुदाय की 53 प्रतिशत हिस्सेदारी होने का अनुमान है। इस समुदाय के लोग मुख्यतः इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी सहित अन्य आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत के करीब है तथा वे मुख्यतः इंफाल घाटी के आसपास स्थित पहाड़ी जिलों में रहते हैं। हिंसा के कारण 50 से अधिक लोगों की जान चली गई तथा 23,000 लोगों ने सैन्य छावनियों और राहत शिविरों में शरण ले रखी है। उल्लेखनीय है कि जनजातीय लोग 27 मार्च को मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश के बाद मेइती समुदाय को आरक्षण दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उच्च न्यायालय ने समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए राज्य सरकार को चार हफ्तों के अंदर केंद्र को एक सिफारिश भेजने का निर्देश दिया था।

## द केरला स्टोरी से प्रतिबंध हटाकर जनता को सच देखने दें प.बंगाल और तमिलनाडु की सरकारें : केशव प्रसाद मौर्य

**भदोही।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विवादास्पद फिल्म द केरला स्टोरी पर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने की निंदा करते हुए मंगलवार को इन सरकारों से कहा कि वे तत्काल प्रतिबंध हटाएं और जनता को सच देखने दें। उपमुख्यमंत्री ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में फिल्म द केरला स्टोरी पर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरकार द्वारा पाबंदी लगाए जाने से संबंधित सवाल पर कहा कि इन सरकारों का यह कदम निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की सरकारें इस फिल्म पर लगी पाबंदी को हटा लें ताकि जनता सच देख सके। मौर्य ने कहा, जहां–जहां भाजपा की सरकार है वहां इस फिल्म को कर मुक्त किया जा रहा है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इसे सरकार ने कर मुक्त कर दिया है। उपमुख्यमंत्री ने चुनावी सभा में कहा कि निकाय चुनाव के बाद हर नगर पालिका और नगर पंचायत



विकास का जो भी प्रस्ताव बनाकर भेजेगी, उन्हें राज्य सरकार जरूर पूरा करेगी। गौरतबल है कि गत पांच मई को रिलीज हुई फिल्म द केरला स्टोरी पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत पांच मई को इस फिल्म को आतंकी साजिशों को सामने लाने का श्रेय दिया था। उन्होंने कर्नाटक में एक चुनावी रैली में फिल्म का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा था। उत्तर प्रदेश भाजपा के सचिव अभिजात मिश्रा ने शनिवार को शहर में करीब 100 छात्राओं के लिए इस विवादित फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन किया था। उन्होंने एक थिएटर बुक किया और कहा कि युवा लड़कियों को कथित लव जिहाद से बचाने के लिए फिल्म दिखाई जानी चाहिए। मिश्रा ने कहा कि फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और दिखाती है कि कैसे भोली–भाली लड़कियों को बरगलाया जाता है और फिर उनका धर्मांतरण किया जाता है। विपुल अमृत शाह द्वारा निर्मित, सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और अदा शर्मा अभिनीत फिल्म द केरला स्टोरी की कहानी महिलाओं के एक ऐसे कथित समूह के इर्द–गिर्द घूमती है, जिन्हें धर्म परिवर्तन और आतंकवादी संगठन आईएस में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है।

# सम्पादकीय

## स्त्री-शक्ति की झांकी

ऐसे वक्त में जब भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नये आयाम स्थापित कर रही हैं, उन्हें गरिमा के साथ उनका जायज हक दिया जाना भी उतना ही जरूरी है। हाल के दिनों में रक्षा सेनाओं में उनकी बढ़ती हिस्सेदारी लोकतंत्र में महिलाओं की सशक्त होती स्थिति को ही दर्शाती है। निस्संदेह, इस दिशा में राजनीतिक नेतश्त्व की उदासीनता के चलते समय–समय पर देश के शीर्ष न्यायालय ने इस फैसले के क्रियान्वयन में रचनात्मक भूमिका का निर्वहन ही किया है। इसी क्रम में अच्छी खबर यह आयी है कि वर्ष 2024 में होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में महिलाएं बड़ी संख्या में दस्तों का नेतश्त्व करेंगी। यानी कर्तव्य पथ पर नारी सशक्तीकरण की झांकी को तरजीह दी जायेगी। बताया जा रहा है कि कर्तव्य पथ पर होने वाले आधिकारिक समारोह में शामिल होने वाली टुकड़ियों व बैंड दस्तों में शामिल सभी प्रतिभागी महिलाएं हो सकती हैं। अगले साल होने वाली परेड की योजना के बाबत रक्षा मंत्रालय ने तीनों सेनाओं, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को कार्यालयी ज्ञापन भेजा था। उस ज्ञापन में इस तरह की योजना का विस्तश्त जिक्र किया गया था। उल्लेखनीय है कि फरवरी में रक्षा सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह तय किया गया था कि अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर होने वाली परेड में शामिल मार्चिंग टुकड़ियों, बैंड तथा झांकियों में केवल महिला प्रतिभागी होंगी। यह सुखद ही है कि बीते सालों में गणतंत्र दिवस पर दिखायी जाने वाली झांकियों में महिला प्रतिभागियों की उपस्थिति में अपेक्षित सुधार देखा गया है। जिसमें महिला अधिकारी सेना व सुरक्षा बलों की टुकड़ियों का बखूबी नेतश्त्व करती नजर आई हैं। निस्संदेह, यह प्रयास देश में आधी दुनिया को पूरे हक देने की दिशा में सार्थक पहल ही कही जा सकती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सरकार का हालिया निर्णय इस स्थिति को अधिक सम्मानजनक बनाने में सहायक ही साबित होगा। निस्संदेह, सरकार व रक्षा मंत्रालय की इस हालिया पहल का प्रतीकात्मक महत्व है। लेकिन महिलाओं के जीवन में असली सुधार तब आएगा जब उन्हें दिये जा रहे अधिकार जमीनी हकीकत भी बनें। हाल के दिनों में कुछ अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों को खेल संघ के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिये सड़कों पर उतरने का जो परिदृश्य नजर आया, वह स्थिति देश के विभिन्न विभागों व सेवाओं में नजर नहीं आनी चाहिए। कमोबेश सभी विभागों में महिलाओं के अधिकार और उनकी अस्मिता की रक्षा के लिये निष्पक्ष व पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। सरकारों की तरफ से आधी दुनिया को उनके हक दिलाने व कार्य परिस्थितियों को गरिमामय बनाने के लिये पारदर्शी व्यवस्था बनायी जानी चाहिए। ताकि वे बेखौफ होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। हम पहले ही महिलाओं को उनके वाजिब हक देने में बहुत देर कर चुके हैं। देश की श्रम शक्ति में चीन व अन्य विकसित देशों के मुकाबले महिलाओं की भूमिका बेहद उपेक्षित रही है। इस दिशा में गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि महिला श्रम शक्ति का देश के विकास में बेहतर ढंग से उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है। दरअसल, महिला सशक्तीकरण के साथ उनकी आर्थिक आजादी भी जरूरी है। आर्थिक आजादी से उनकी निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। इससे ही महिलाओं के खिलाफ होने वाली घरेलू व सामाजिक हिंसा में कमी आएगी। घर–परिवार व बाहर संभालने वाली महिला को जब पूरी तरह से आर्थिक आजादी मिल जायेगी, उस दिन देश में लैंगिक भेदभाव समाप्त करने की दिशा में बड़ी पहल हो सकेगी। वहीं दूसरी ओर संसद में महिलाओं को उनकी आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व दिये जाने के लिये दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति दर्शाने की भी जरूरत है ताकि देश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में बदलावकारी पहल हो सके। इस मामले में राजनीतिक दलों को अपने भेदभाव ताक पर रखकर इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी। तभी आधी दुनिया को भारतीय समाज में बराबरी का सम्मानजनक दर्जा मिल पायेगा।

## भटके विमर्श का नतीजा

इस सारे विवाद की जड़ में पहचान की राजनीति और उस सियासत से जुड़े फायदे हैं। लेकिन ऐसी राजनीति में विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा होना लाजिमी होता है। मणिपुर में वैसा ही टकराव देखने को मिला है। मणिपुर की घटनाओं ने आखिरकार पूरे देश का ध्यान खींचा है। वैसे तो मणिपुर पूरे अप्रैल में सुलगता रहा, लेकिन राष्ट्रीय मीडिया ने उसकी खबर नहीं ली। जब बीते हफ्ते वहां हिंसा की आग भड़क उठी, तब सबका ध्यान उस ओर गया। जबकि वहां जो हिंसा देखने को मिली है, उसकी जड़ तो मार्च में ही पड़ चुकी थी। राज्य के बहुसंख्यक मैतेयी और आदिवासी समुदाय के बीच तनाव की जड़ें पुरानी है। मार्च में हा ईकोर्ट के एक फैसले ने इस तनाव को और बढ़ा दिया। गैर–आदिवासी मैतेयी समुदाय की आबादी राज्य में करीब 53 फीसदी है। यह समुदाय लंबे अरसे से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहा है। मैतेयी समुदाय की दलील है कि अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलने के बाद वे लोग राज्य के पर्वतीय इलाकों में जमीन खरीद सकेंगे। फिलहाल वे लोग मैदानी इलाको में तो जमीन खरीद सकते हैं, लेकिन पर्वतीय इलाको में जमीन खरीदने का उनको अधिकार नहीं है। आदिवासी समुदाय उसकी इस मांग का विरोध करता रहा है।आदिवासी संगठनों का कहना है कि ऐसा होने पर मैतेयी समुदाय उसकी जमीन और संसाधनों पर कब्जा कर लेगा।

# जातीय मकड़जाल मे मणिपुर

मणिपुर कई बार हिंसा की लपटों में जला। जबकि सरकारें यह दावा करती आ रही हैं कि मणिपुर अब शांत क्षेत्र में बदल गया है। पिछले साल और इस वर्ष राज्य के कई जिलों को अफ्सपा कानून के दायरे से बाहर भी कर दिया गया था लेकिन राज्य में हाल ही में हुई हिंसा ने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए। मणिपुर की हिंसा कोई सामान्य हिसा नहीं है। एके–47 से फायरिंग से लेकर कई धर्मस्थलों, घरों और वाहनों को आग के हवाले कर देना छोटी बात नहीं है। उपद्रवियों के हाथों में भारी संख्या में हथियार देखकर प्रथम दृष्टि में यही दिखाई दिया कि वे सत्ता को खुली चुनौती दे रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि हिंसा में 54 लोगों के मारे जाने का आंकड़ा तीन दिन बाद सार्वजनिक किया गया। हालात इस हद तक बिगड़ गए कि 25 हजार लोगों को हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से निकालकर राहत कैम्पों और सैनिक छावनियों में ले जाया गया। सेना के दस हजार जवानों को शांति कायम करने के लिए ले जाया गया। विविधता में एकता ही अवधारणा अमूर्त नहीं है। इस एकता को मजबूत करने के लिए शासन व्यवस्था को बहुत प्रयास करने पड़ते हैं। संघर्ष की स्थितियां तब उत्पन्न होती हैं जब एक वर्ग महसूस करता है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। उनकी संस्कृति और विशिष्ट पहचान खतरे में है। मणिपुर की हिंसा पहाड़ी और घाटी की पहचान के विभाजन का ही परिणाम है लेकिन इस हिंसा को टाला जा सकता था। दरअसल राज्य के नगा और कुकी यानि आदिवासी समुदाय को यह लगने लगा था कि उनके साथ पक्षपात किया जा रहा है और मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की मांग एक सियासी खेल है। आल ट्राइबल स्टूडैंट यूनियन ऑफ मणिपुर का कहना है घकि मैतेई समुदाय की भाषा संविधान की आठवीं सूची में शामिल है और इनमें से कईयों को अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) का फायदा मिल रहा है। आदिवासियों को डर है कि मैतेई समुदाय का सत्ता में पहले से ही वर्चस्व है। अगर मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दिया गया तो यह पहाड़ी आदिवासी समुदायों के लिए आरक्षण के दायरे को खत्म कर देगा। आदिवासी नेताओं ने इस मुद्दे को लेकर घाटी विरोधी भावनाओं को भड़काया। आदिवासी समूहों के विरोध के पीछे राज्य सरकार के पक्षपातपूर्ण रवैये के खिलाफ लगातार बढ़ रहा असंतोष भी एक कारण है। सरकार समर्थक समूहों का कहना है कि जनजाति समूह अपने हितों को साधने के लिए मुख्यमंत्री वीरेन घसिह को सत्ता से हटाना चाहते हैं। क्योंकि उन्होंने ड्रग्स के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। वीरेन सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध में बेदखली अभियान चलाया था जिसमें मार्च में कुकी समुदाय का एक गांव भी शिकार हुआ था। इस अभियान की मार अवैध प्रवासियों पर भी पड़ी जिन्हें म्यांमार से जुड़ा अवैध प्रवासी बताया जा रहा है। वे मणिपुर के कुकी जोमो जनजाति से ताल्लुक रखते हैं। वन संरक्षण के नाम पर बाहरी लोगों को हटाने के नाम पर जिस ढंग से लोगों को गांव से बेदखल किया गया उससे आजीविका के लिए पहाड़ पर निर्भर समुदाय के बीच आक्रोश बढ़ता ही चला गया। प्रभावित लोगों के पुनर्वास और मुआवजे की घोषणा किए बिना ऐसा करने से हजारों लोगों पर आजीविका की तलवार लटक गई। जिसके परिणामस्वरूप घविध्वंसकारी हिंसा सामने आई। मैतेई समुदाय का बड़ा हिस्सा हिन्दू है और बाकी मुस्लिम। प्रदेश के जिन 33 समुदायों को जनजाघति का दर्जा मिला है वे नगा और कुकी जाति से हैं। इन दोनों जनजातियों के लोग मुख्य रूप से ईसाई हैं। राज्य की अनुसूचित जनजाति समूहों को ही पहाड़ों पर जमीन खरीदने और बसने का अधिकार है। वन संरक्षण के नाम पर राज्य सरकार ने अति उत्साह में बेदखली अभियान तो चला दिया लेकिन आदिवासियों का कहना है कि यह उनकी पैतृक जमीन है। उन्होंने कोई अतितक्रमण नहीं किया बल्कि वह सालों से यहां रहते आ रहे हैं। सरकार के इस अभियान को आदिवासियों ने अपनी पैतृक जमीन से हटाने की तरह पेश किया जिससे भीतर ही भीतर चिंगारियां सुलग रही थी। जिसने अंततः आग की लपटों का रूप धारण कर लिया। अब हालात यह हैं कि राज्य में हर समुदाय भयभीत होकर बैठा है। ईसाई आबादी खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। सरकार के सामने विस्थापित हुए हजारों लोगों की घर वापसी की चुनौती सामने है। अन्य राज्यों के मणिपुर में फंसे हुए लोगों को निकालने का काम किया जा रहा है। स्थिति का फायदा उठाने के लिए निजी विमान कंपनियों ने किराया बढ़ा दिया है। मणिपुर सहित पूर्वोत्तर में विद्रोही संगठनों के म्यांमार के सशस्त्र समूहों के साथ संबंध हैं जहां से वे चीनी हथियार प्राप्त करते हैं ताकि विद्रोही संगठन दोबारा से कोई बड़ी साजिश न कर सके। दरअसल मणिपुर जातीय मकड़जाल में इतना उलझा हुआ है कि अगर राज्य सरकार ने सभी को विश्वास में लेकर गिले–शिकवे शांत नहीं किए तो यह आग असानी से नहीं बुझेगी। **–आदित्य नारायण**

# चिंतन और योजना, परिश्रम, संकल्प और निरंतरता सफल जीवन के प्रमुख अवयव

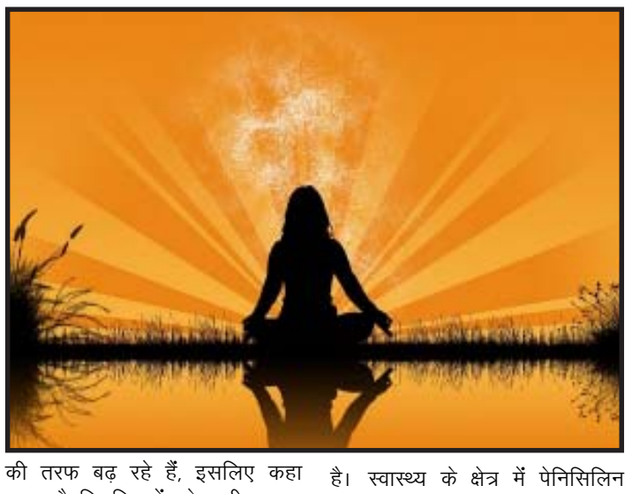

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैंस जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सश्जनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पश्थक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3: नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समश्द्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार–विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। **–संजीव ठाकुर**

## आज का राशिफल

**मेष :–** आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को परिश्रम करने की आवश्यकता है।

**बृषभ :–** स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। आर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।

**मिथुन :–** किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन मे उत्साह का संचार होगा। क्रोध पर नियंत्रणरखें।

**कर्क :–** कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पत्नी के स्वास्य का ध्यान रखें।

**सिंह :–** किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

**कन्या :–** समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

**तुला :–** मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में सन्तुलित व मधुर वाणी का प्रयोग करें। कोई आपका अपना बिगड़े हुए सम्बन्धों मे सुधार कराएगा। किसी कार्य से संपन्न होने के आसार हैं।

**वृश्चिक :–** सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर वाणी का प्रयोग करें।

**धनु :–** नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बनध मे प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय मे सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।

**मकर :–** कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। कटु शब्दों का प्रयोग न करें।

**कुंभ :–** पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर आप उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरे की व्यस्तता रहेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

**मीन :–** क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा मे लापरवाही ना करें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। जीवन साथी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

# इश्तिहार जैसी राजनीति की कहानियां

इसमें थोड़ा फेरबदल कर अगर मोहब्बत की जगह राजनीति करने की गुस्ताखी की जाए, तो आज के माहौल में यह शेर बिल्कुल फिट बैठता है। मौजूदा दौर की सियासत में ऐसी ही कहानियां चल रही हैं। कहा कुछ जाता है और आशय कुछ और होता है। और जो असल मकसद होता है, वो कभी सीधे शब्दों में बयां ही नहीं किया जाता। शब्दों के इस खिलवाड़ से राजनैतिक बाजियां कैसे पलटी जाती हैं, इसके कुछ उदाहरण हाल ही में सामने आए हैं। महाराष्ट्र में राकांपा के मुखिया शरद पवार ने पहले इस्तीफा देने का ऐलान किया, जिससे उनके समर्थक भावुक होकर उनसे पद पर बने रहने की अपील करने लगे। राजनीति और दल में उनका क्या ओहदा है, राज्य को उनकी कितनी जरूरत है, इसकी व्याख्याएं की जाने लगीं। राकांपा की बैठकों का दौर चला और शरद पवार से इस्तीफा वापस लेने का आग्रह किया गया। और फिर शरद पवार ने अपने समर्थकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस्तीफा वापस ले लिया, अब वे फिर से राकांपा के प्रमुख हैं। श्री पवार के इस कदम से एक तरफ उनकी बेटी सुप्रिया सुले का दबदबा बढ़ गया, क्योंकि शरद पवार के बाद पार्टी की कमान उन्हें ही देने की संभावनाएं सबसे अधिक जतलाई जा रही थीं। और दूसरी तरह भतीजे अजीत पवार को यह सख्त संदेश दे दिया गया कि अगर वे पार्टी और पार्टी सुप्रीमो के खिलाफ जाएंगे, तो उनके राजनैतिक भविष्य के लिए सही नहीं होगा। राकांपा में कोई उन्हें स्वीकार नहीं करेगा और भाजपा में भी उन्हें सम्मानजनक स्थान नहीं मिलेगा। अगले चुनावों के पहले पार्टी की अंदरूनी खटपट को शरद पवार ने बड़ी चालाकी से शांत करा दिया। कुछ ऐसा ही खेल अब राजस्थान में हुआ है। बल्कि यहां तो अशोक गहलोत ने अपने खिलाफ उठ रहे बगावती सुरों को शांत करने के साथ विपक्षी दल भाजपा के लिए भी समस्या खड़ी कर दी। धौलपुर में एक जनसभा में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा दावा किया कि 2020 में जब तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने समर्थक विधायकों के साथ बगावत की थी तो भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल और विधायक शोभरानी कुशवाह ने उनकी सरकार को बचा लिया। श्री गहलोत ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र शेखावत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने बगावत करने वाले विधायकों को पैसे बांटे और सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा। श्री गहलोत ने ये दावा भी किया कि उन्होंने बागी विधायकों को भाजपा को पैसे वापस करने के लिए कहा है और अगर वे इंतजाम नहीं कर सकते तो अशोक गहलोत खुद या एआईसीसी से कह कर पैसे वापस करने का प्रबंध करेंगे। देश के कई राज्यों में धन के लेन–देन पर सरकारें बनाई और गिराई गई हैं। लेकिन ये शायद पहला मौका है जब चुनिंदा व्यक्तियों के नाम लेकर उन पर सीधे इल्जाम लगाए जा रहे हों। अशोक गहलोत जैसे कद्दावर और अनुभवी नेता को पता है कि राजनीति में कब और कैसे कोई बात कहना चाहिए। जब वे जनसभा में यह रहस्योद्घाटन कर रहे थे, तो इसे निश्चित तौर पर जुबान का फिसलना नहीं कहा जा सकता। बल्कि श्री गहलोत ने इस बात को कहने के लिए सही समय का इंतजार किया। राजस्थान में अगले कुछ महीनों में चुनाव हैं और कांग्रेस इस बार इतिहास बदलते हुए अपनी सत्ता को कायम रखना चाहती है। लेकिन पार्टी के भीतर शक्ति के दो केंद्र बनने से कांग्रेस के लिए चुनौती बढ़ रही है। सचिन पायलट ने 2020 की बगावत के बाद उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दोनों पद गंवा दिए, लेकिन मुख्यमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा चुनाव पास आते ही फिर उछाल मारने लगी है। इसलिए वे एक बार अपने समर्थक विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करने लगे हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार की जांच के नाम पर एक दिन का अनशन कर फिर से बगावत के संकेत ही दिए थे। अशोक गहलोत ने वसुंधरा सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के आरोप पर कोई जांच नहीं की और अब तो उन्होंने अपनी सरकार बचाने का श्रेय भी वसुंधरा राजे को दे दिया है। उन्होंने कहा कि जब मेरी सरकार गिराने की कोशिश हो रही थी, तब कैलाश मेघवाल और वसुंधरा राजे ने कहा कि हमारे यहां पैसे के बल पर, चुनी हुई सरकारों को गिराने की कभी परंपरा नहीं रही है। अशोक गहलोत के इस खुलासे से अब भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। राजस्थान भाजपा में पहले ही सतीश पुनिया और वसुंधरा राजे के गुटों के बीच वर्चस्व की होड़ है। और अब पुनिया गुट, राजे गुट पर हावी हो सकता है। इधर वसुंधरा राजे की फिर से मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाहिर है, लेकिन श्री गहलोत के बयान से पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और वफादारी पर सवाल खड़े हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने एक लिखित बयान में कहा कि चुनाव में हार से भयभीत होकर अशोक गहलोत झूठ बोल रहे हैं। वसुंधरा राजे अब डैमेज कंट्रोल में जुट गई हैं, जबकि अशोक गहलोत ने अपनी छवि और सरकार को हुए नुकसान की भरपाई इस बयान से काफी हद तक कर ली है। भाजपा में अविश्वास का माहौल उनके बयान से बन गया है, वहीं सचिन पायलट के लिए भाजपा के रास्ते भी बंद हो गए हैं, क्योंकि उनका साथ देने पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। सचिन पायलट के समर्थक विधायकों पर धन लेने का आरोप भी गंभीर है, जिसके लिए अब एफआईआर दर्ज कराने की बात उठ रही है। अगर ऐसा कुछ हुआ तो इन विधायकों के राजनैतिक भविष्य पर संकट होगा। यानी अब गहलोत खेमे के खिलाफ जाने का दुस्साहस कोई नहीं करेगा। अशोक गहलोत ने शब्दों की बाजीगरी से कई सारी दिक्कतों को एक साथ साध लिया है। इस डेढ़ इश्किया राजनीति का असर चुनाव पर क्या रहता है, ये देखना दिलचस्प होगा।

# राष्ट्रीय मुद्दे कोई नहीं उठा रहा

कर्नाटक विधानसभा चुनाव कई मायने में बहुत अनोखा है। उसके अनोखेपन का एक पहलू यह है कि किसी भी पार्टी का नेता राष्ट्रीय मुद्दे नहीं उठा रहा है। यहां तक कि अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के नाम पर चुनाव लड़ रही भाजपा भी कोई राष्ट्रीय मुद्दा नहीं उठा रही है। हो सकता है कि कोई भी पार्टी असली मुद्दा नहीं उठा रही है इसलिए राष्ट्रीय मुद्दे भी सामने नहीं आ रहे हैं। भाजपा को चिंता है कि अगर असली मुद्दे उठाए गए तो उन पर जवाब देना होगा। दूसरी ओर कांग्रेस को लग रहा है कि अगर असली और राष्ट्रीय मुद्दे उठाए गए तो भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को तस्वीर में लाना होगा, जो ठीक नहीं होगा। इसलिए राष्ट्रीय मुद्दों पर सब चुप हैं। सवाल है कि राष्ट्रीय मुद्दा क्या है, जिसे कांग्रेस को उठाना चाहिए? सबसे बड़ा राष्ट्रीय मुद्दा मणिपुर का है, जहां आदिवासी और मैती समुदाय के बीच संघर्ष में 50 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, एक सौ से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और 14 हजार के करीब लोग घर छोड़ कर भागे हैं। देश के अंदर की बड़े हिस्से में सेना तैनात है और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को नियुक्त किया गया है। पड़ोसी राज्य मेघालय में भी हिंसा हुई है और दिल्ली तक में दोनों समुदाय के छात्रों के बीच टकराव हुआ है। बहुत दिलचस्प है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में इसका मुद्दा बना रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब को संभाल लिया लेकिन भाजपा से मणिपुर नहीं संभल रहा है। एक असली और राष्ट्रीय मुद्दा दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना दे रहे देश के नामी पहलवानों का है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा पहलवानों को समर्थन देने जंतर मंतर गई थीं। यह राष्ट्रीय शर्म का मुद्दा बना हुआ है कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया है और कार्रवाई के लिए 15 दिन से ज्यादा से धरने पर बैठी हैं। पर कांग्रेस इसे मुद्दा नहीं बना रही है। कर्नाटक के चुनाव में इसका जिक्र नहीं किया जा रहा है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी में लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा दिया था लेकिन कर्नाटक में यह नारा नहीं दिया जा रहा है। तीसरा बड़ा राष्ट्रीय मुद्दा जम्मू कश्मीर में सुरक्षा का है। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के पांच जवान एक साथ शहीद हुए हैं। आतंकवादियों ने आईईडी विस्फोट करके सेना के दस्ते पर हमला किया। एक सैन्य अधिकारी भी घायल हुआ है। आतंकवाद समाप्त कर देने का दावा करने वाली सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। लेकिन न तो कोई सरकार से जवाब मांग रहा है और न सरकार जवाब दे रही है।

# डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का रोड़ शो

## डिप्टी सीएम ने भाजपा मेयर प्रत्याशी के समर्थन में किया रोड़ शो

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**अयोध्या।** चुनाव के अंतिम दिन भारतीय जनता पार्टी ने नगर निगम अयोध्या में शक्ति प्रदर्शन किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के रोड़ शो में भगवा धारण किये अपार जनसमूह सड़क पर उतरा। भीषण गर्मी तथा आसमान आ रही गर्म धूप भी पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी। ठोल नगाड़े के साथ रोड़ शो के दौरान हजारों की संख्या में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जयघोष से परिवेश को गुंजायमान कर दिया। नाका गांधी आश्रम से रिकाबगंज तक निकले दो किमी से लम्बे मार्ग में दर्जनों स्थानों पर लोगो ने रोड़ शो पर पुष्पवर्षा करके स्वागत किया। रथ पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के साथ सांसद लल्लू सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, प्रत्याशी महंत गिरीश पति त्रिपाठी शामिल थे। संचालन महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि यूपी के सभी नगर निगमों पर भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली है। त्रिपल इंजन की सरकार बनाकर

यहां की जनता अयोध्या को कमल की फूल की तरह खिलाकर देगी। रामभक्तों के बीच सपा वाले प्रचार प्रसार करने तक नहीं आये। हम विकास के साथ सुरक्षा भी प्रदान करेंगे। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को वैश्विक मानकों के अनुरुप हर सुविधा प्रदान करने हेतु कटिबद्ध है। जिसके लिए अयोध्या को योजनाओं की श्रंखलाएं प्रदान की गयी है। यहां अंतराष्ट्रीय सुविधा युक्त रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के बेहतर रोड़ कनेक्टिविटी दी जा रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि भाजपा इस चुनाव में एतिहासिक विजय की ओर अग्रसर है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरकार सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए सबका विश्वास हासिल करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। प्रथम महापौर ,ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि गरीबों के चेहरे पर खुशी का भाव लाना सरकार की प्राथमिकताओं में रहा है। भाजपा प्रत्याशी महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि विकास की रश्मि से प्रकाशित अयोध्या आने वाले समय में देश के प्रमुख व्यापारिक केन्द्रों में एक होगी। इसका सबसे ज्यादा लाभ अयोध्या की जनता को मिलने वाला है। इस अवसर पर जिला प्रभारी पद्मसेन चौधरी, क्षेत्रीय महामंत्री त्रयम्बक तिवारी, सहाकारी बैंक के सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, अवधेश पाण्डेय बादल, डा बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, कमलेश श्रीवास्तव, अवधेश श्रीवास्तव, आलोक कुमार सिंह रोहित, हरीश श्रीवास्तव, अभय सिंह, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, जितेन्द्र दूबे मिंटू प्रधान, नीरज कन्नौजिया, इंरणवीर सिंह, सत्य प्रकाश वर्मा, डा अवधेश वर्मा, बालकृष्ण वैश्य, आलोक द्विवेदी, रवि सोनकर, सुनील तिवारी शास्त्री, विकास सिंह, अमल गुप्ता, तिलक राम मौर्या, शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्रा, राजू सिंह, राकेश मणि त्रिपाठी, विशाल सिंह बाबा, सूरज सोनकर, रवि शर्मा, ज्ञान केसरवानी, नीरज जायसवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता, समाजिक संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

## महिला ने सर्राफा व्यापारी को चप्पल से पीटा,बचाने आई पत्नी से भी की मारपीट

**पाली,हरदोई।** पाली कस्बे की सर्राफा मार्केट में एक दबंग महिला ने सर्राफा कारोबारी को चप्पल से पीट दिया। पति को बचाने आई उसकी पत्नी को भी दबंग महिला ने पीटा है। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। वायरल वीडियो की जानकारी करने पर पता चला कि पाली कस्बे की सर्राफा बाजार में निक्की रस्तोगी की सर्राफा की दुकान है। सोमवार शाम को उनकी दुकान पर मोहल्ला काजी सराय निवासी एक महिला आई हुई थी, बताया गया कि लेन देन को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। जिसके बाद दबंग महिला ने सर्राफा कारोबारी निक्की रस्तोगी की चप्पल से पिटाई कर दी। बचाने आई उसकी पत्नी से भी दबंग महिला ने मारपीट की। पूरी घटना सर्राफा कारोबारी की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित दंपति ने पाली थाने में महिला के विरुद्ध तहरीर दी है। वहीं आरोपी महिला के पति ने बताया है कि निक्की रस्तोगी पर उनके 12 लाख रुपए हैं।

# एकेटीयू की टीम गुजरात पहुंची, योजनाओं की ली जानकारी

## तीन दिवसीय दौरे पर एकेटीयू इनोवेशन हब की टीम

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**लखनऊ।** प्रदेश में कारोबार को बढ़ावा देने के लिए एकेटीयू ने अपना प्रयास तेज कर दिया है। जिसमें इनोवशन और स्टार्टअप को गति देने के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की इनोवेशन हब की टीम तीन दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन स्टूडेंट स्टार्टअप इनोवेशन पॉलिसी के एक्सपर्ट और सीईओ प्रो. तुषार रावल से मुलाकात करने पर उन्होंने स्टार्टअप नीतियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा सुभाष चंद शर्मा के निर्देशन और डॉ. अनुज शर्मा की अगुवाई में टीम मंगलवार पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनक्यूबेशन सेंटर और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया भी पहुंची।

यहां टीम ने उद्यमिता और नवाचार के लिए किए जा रहे कार्यों को समझा और अधिकारियों से उनके अनुभव को भी जाना। वहीं प्रो. रावल ने टीम को बताया कि गुजरात में उद्यमिता और नवाचार के लिए ऐसी नीति बनाई गई है। जिससे कि युवा अपनी सृजन क्षमता को

स्टार्टअप और नवाचार के जरिए सतत विकास के लक्ष्य ने अपना योगदान दे सकें। साथ ही आत्मनिर्भर गुजरात बनाने में भूमिका निभाए। डॉ धर्मेंद्र और जय जोशी ने भी टीम को उद्यमिता और नवाचार के बारे में बताया। इसके बाद टीम औद्योगिक उपायुक्त के कार्यालय भी पहुंची। जहां संयुक्त आयुक्त उद्योग आरडी बरहट ने टीम को उद्यमिता के लिए गुजरात के औद्योगिक नीति की जानकारी दी। साथ ही नई योजनाओं के बारे में भी बताया। इन योजनाओं और नीतियों का इनोवेशन हब टीम अध्ययन करेगी। टीम में इनोवेशन हब हेड महीप सिंह मैनेजर वंदना शर्मा, रितेश सक्सेना सहित अन्य लोग शामिल हैं।

# संक्षिप्त खबरे

### प्रमोद की मौत बनी पहेली,आखिर उसने क्यों की आत्महत्या

**पाली,हरदोई।** स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत गर्रा नदी के किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव बेरी के पेड़ से लटका हुआ पाया गया सुबह जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पाली थाना क्षेत्र के बेगराजपुर गांव निवासी प्रमोद कुमार का शव मंगलवार की सुबह गर्रा नदी के किनारे एक बेरी के पेड़ से लटकता हुआ पाया गया बताया जा रहा है कि मृतक प्रमोद कुमार अपने सात भाई बहनों में तीसरे नंबर का था, उसकी बहन के यहां शादी का कार्यक्रम था जिसमें प्रमोद के परिवार को छोड़कर सभी भाइयों को बुलाया गया था पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। प्रमोद की मौत से उसकी गर्भवती पत्नी और दो बच्चे अनाथ हो गए थाना फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वही थाना अध्यक्ष राज कुमार पाण्डेय का कहना है की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### खेतों पर शौच करने के लिए जा रही महिला के साथ छेड़छाड़ रिपोर्ट दर्ज

**हरपालपुर,हरदोई।** थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार की सुबह खेतों पर महिला शौच करने के लिए जा रही थी तभी गांव के ही एक युवक ने उसे बुरी नियत से पकड़ लिया और छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। हरपालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार हरपालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार की सुबह वाक्य तो पर सोच करने के लिए जा रही थी तभी रास्ते में उसके गांव के ही रामू पुत्र पप्पू ने उसे बुरी नियत से पकड़कर छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत करते हुए गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया वहीं घटना में पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने मंगलवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। महिला को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

### सपा का नारा खाली प्लॉट हमारा,भाजपा सरकार में गुंडे,माफिया जेल में : बृजेश पाठक

**कानपुर।** नगर पालिका बिल्हौर भाजपा प्रत्याशी कौशल अवस्थी के समर्थन में सूबे के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक में रामलीला मैदान में मंगलवार दोपहर जनसभा की। इस दौरान उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सपा के लोग नारा लगाते हैं, समाजवादी पार्टी का नारा है खाली प्लॉट हमारा है। लेकिन योगी जी की सरकार बनने के बाद सभी गुंडे,डकैत या तो जेल में नजर आ रहे हैं या फिर प्रदेश छोड़ कर चले गए। तमाम प्रदेश के मुद्दे पर सीएम अखिलेश यादव व समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की नगर पालिका के स्थानीय चुनाव में भी पाकिस्तान और कसाब की एंट्री कर दी। स्थानीय नगर निकाय के चुनाव में राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर ही ज्यादातर बृजेश पाठक का हमलावर दिखे। इस दौरान डिप्टी सीएम ने शिवराजपुर नगर पंचायत के प्रत्याशी गीता गुप्ता व व नगर पालिका परिषद के प्रत्याशी को भारी मतों से जीत दिलाने की लोगों से अपील की। इस मौके पर सांसद अशोक रावत,क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर,जिला अध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला,कौशल अवस्थी,जेपी कटियार,विक्रम मिश्रा,राजू दुबे आदि लोग मंच पर मौजूद रहे।

### घरेलू कलह के चलते शराबी ने लगाई फांसी

**महोली (सीतापुर) ।** थाना क्षेत्र के एक गांव में एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक कस्बे क्षेत्र के कंचनपुर गांव के रहने गुड्डू पुत्र हेमनाथ उम्र करीब 37 ने गांव के दक्षिण तरफ गूलर के पेड़ से रस्सी के सहारे फाँसी लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतक के पांच सन्तान हैं। परिजनों के अनुसार गुड्डू शराबी किस्म का व्यक्ति था। शराब के लिये आये दिन घर के लोगों से झगड़ा किया करता था। नशे की लत के लिए पैसे न मिलने पर गुड्डू आपा खो बैठा और उसने गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कस्बा प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा दी गयी है। सूचना दर्ज कर ली गयी हैं। शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेज दिया गया हैं।

### कार पलटने से आधा दर्जन लोग गम्भीर रूप से घायल

**मिश्रित (सीतापुर) ।** कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पिसावां की ओर से तेज गति में आ रही एक कार आज ग्राम अमजदपुर के पास अचानक पलट गई। जिसमें छः लोग सवार थे। वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रित में भर्ती कराया गया है। जहां सभी इलाजरत हैं। जानकारी के मुताबिक कार नंबर यूपी 32 एफजे 2145 में मुकेश, बबलू, नन्हे, सरला, ऊषा, बादल सवार होकर नेरी महसुनिया में निमंत्रण करके घर वापस आ रहे थे। तभी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमजदपुर के पास उनकी कार अचानक पलट गई। जिससे कार में सवार सभी लोगों को गम्भीर चोटे आई हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रित में भर्ती कराया गया है। जहां वह इलाजरत है।

### विद्यालय की खिड़की की सरिया तोड़कर तीन पंखे चोरी

**पहला (सीतापुर) ।** विकासखंड पहला थाना सदरपुर क्षेत्रांतर्गत सोमवार की रात अज्ञात चोरी द्वारा एक विद्यालय की खिड़की की सरिया तोड़कर कमरे के अंदर के तीन पंखे चोरी होने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम खफा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में सोमवार की रात अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय की खिड़की की सरिया तोड़कर अंदर घुसकर तीन कमरों के पंखों को चोरी कर लिया गया।

# तेज धमाका होने से छत उड़ी, दीवार ढही,सात लोग घायल,दो की हालत गंभीर

## पुलिस ने आसपास के घर खाली कराए

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**कानपुर।** शहर में नवाबगंज थानाक्षेत्र के पहलानपुरवा में सोमवार रात 2.30 बजे एक मकान में तेज धमाका हो गया। धमाका से मकान की छत उड़ गई और दीवार भी ढह गई। हादसे में सात लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। आशंका जताई गई कि सिलेंडर या फ्रिज का कंप्रेसर फटा है। फोरेंसिंक टीम ने भी मौके पर जांच पड़ताल की। आजादनगर इलाके के पहलवानपुरवा निवासी वंशराज का मकान है। जिसमें पहली मंजिल पर विष्णु और सुनील सागर किराए पर रहते हैं। जानकारी के मुताबिक मकान में पहली मंजिल के हिस्से में विष्णु रहता है। उसमें ही विस्फोट हुआ है। धमाका होने से कमरे में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर मौके पर डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार,थाना प्रभारी नवाबगंज,फील्ड

यूनिट व बम डिस्पोजल स्क्वाइड भी मौके पर पहुंचा। पुलिस को विष्णु के कमरे में रखी एक लोहे की अलमारी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त मिली है। फोरेंसिक टीम ने यहां से सैंपल भी लिए हैं। दीवार ढहने से पता चला कि हमारे घर में विस्फोट हुआ मकान मालिक वंशराज ने बताया,जिस वक्त विस्फोट हुआ, उस वक्त हम सभी सो रहे थे। अचानक तेज आवाज सुनी तो कुछ समझ नहीं आया। धमाके से मकान की एक तरफ की दीवार ढह गई। तब पता चला कि ये विस्फोट हमारे घर में हुआ है। विस्फोट के बाद घर में चीख–पुकार मच गई। इसके बाद मोहल्ले के लोग जुट आए। उन्होंने मदद की। आस–पास के मकानों के शीशे टूटे नवाबगंज थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि मकान की दीवारें और छत उड़ गई। टीवी, फ्रिज,अलमारी समेत अन्य सामान के चिथड़े उड़ गए।

### सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

**लखनऊ।** थाना मोहनलालगंज क्षेत्र में एक अधेड़ की सड़क हादसे में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। श्यामबाबू पुत्र राजकुमार कोरी निवासी बिन्दौवा थाना मोहनलालगंज ने पुलिस को सूचना दिया कि मंगलवार को सुबह साढ़े नौ बजे उसके पिता राजकुमार व उनका मझला भाई विकास उम्र 19 घर से उसके मामा के गांव फीकर खेड़ा बाइक से जा रहे थे। ग्राम कुढा गांव बाजार थाना मोहनलालगंज के पास पावर टेक ट्रैक्टर जिस पर पालेसर बंधा था के चालक द्वारा लापरवाही से चलाते हुए उनके बाइक में टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता गंभीर रूप से घायल गए। उपचार के लिए सीएचसी मोहनलालगंज ले जाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उनके पिता राजकुमार उम्र 52 पुत्र सीताराम निवासी बिन्दौवा को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

## ग्रामीण इलाकों में बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कराएं एफआईआर

**रायबरेली।** जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव ने कहा कि अभियान चलाकर जिन घरों में अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं हुआ है, उन परिवारों को विद्युत कनेक्शन दिया जाए। बिजली चोरी तथा बिजली का अनुचित उपयोग एक सामाजिक बुराई है, इसे दूर करना सभी का दायित्व है। उन्होंने निर्देश दिये कि बिजली का बिल हर महीने उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत के अनुपयुक्त उपयोग एवं गड़बड़ी करने वाले के विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराकर समुचित कार्यवाही की जायेगी। बचत भवन सभागार में जनपद के समस्त घरों में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु आयोजित बैठक में डीएम माला श्रीवास्तव ने कहा कि मृतकों के नाम पर चल रहे बिजली कनेक्शन तथा अवैध बिजली कनेक्शन के विरूद्ध भी शीघ्र ही अभियान चला कर बिजली चोरी के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करते हुए जुर्माना भी लगाया जायेगा। कटिया लगाने वालों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देश दिये कि गर्मियों के दिनों में विद्युत दुर्घटनाएं रोकने के समुचित प्रयास किये जाएं। विद्युत उपभोक्ताओं के बीच भी जागरूकता अभियान चलाया जाये कि केबिल कटा न हो, खुले तार आदि न हो। विद्युत उपकरणों को विशेष रूप से, नंगे पैर न छुआ जाये। उन्होंने कहा कि घरों में अर्थिंग अवश्य कराई जाए, यह प्रत्येक विद्युत कनेक्शन के साथ अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने बैठक में रिवैंप योजनान्तर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित एजेंसी को निर्देश दिये कि वे लंबित कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने के प्रयास करें। बैठक में एडीएम एफआर पूजा मिश्रा,अधीक्षण अभियंता प्रथम यदुनाथ राम,अधीक्षण अभियंता द्वितीय रामकुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# वाह री सरकार जमकर हुआ भ्रष्टाचार, प्रधान और अधिकारियों ने किया बंदरबांट

**पहला (सीतापुर)।** उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर के विकास खण्ड पहला की ग्राम पंचायत सैर में विकास के लिए भेजे गए धन का सही उपयोग प्रधानों व सचिवों ने नहीं किया। गांव के लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि किसी राजपत्रित अधिकारी के द्वारा गांव में निष्पक्ष तरीके से जांच कराई जाए तो पूरा मामला खुलकर सामने आ जायेगा। गांव का विकास हो, गांव के लोगों को छोटी–छोटी समस्याओं को लेकर परेशान न होना पड़े। इसके लिए ग्राम पंचायतों को धन दिया गया और तमाम सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। लेकिन गांव के लोगों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। प्रधान व सचिव ऐसे लोगों को लाभ दे रहे हैं, जो उनके करीबी है। इसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल रहा है और गांव में कराये गये कार्यों की निष्पक्ष जांच

कराने की मांग उठाई जा रही है। ग्रामीणों द्वारा गुपचुप बातों में चर्चा की जा रही है कि गांव में प्रधान सचिव ने खूब धन का बन्दरबांट किया है और प्रधान गांव में झांकने तक नहीं आ रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि योजनाओं से वंचित रह गए लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सुविधा शुल्क लिए जाने की शिकायत भी करी है। विकासखंड के ग्राम पंचायत सैर के प्रधान तथा सचिव पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप ग्रामीणों ने लगाए गए हैं। गांव के लोगों ने अफसरों से मिलकर गांव में हुए घोटालों की लंबी फेहरिश्त बतायी है। वहीं धांधली के आरोपों से घिरे ग्राम प्रधान चुप्पी साधे बैठे हैं। गांव के ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए विकास कार्यों और आवास योजना में धन उगाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जो प्रधान के खास हैं। उनको ही लाभ दिया जा रहा है और चुनावी रंजिश मानते हुए प्रधान भेदभाव कर रहे हैं। इसमें ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी पर धांधली के भी आरोप लगाए गये है।

## ट्रक की टक्कर से बेटी की मौत,पिता घायल

**रायबरेली।** पुत्री को स्कूल छोड़ने जा रहे पिता की बाइक को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे मासूम की मौत हो गई है, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हुआ है । हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क मार्ग जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों और क्षेत्रीय विधायक ने इसी तरह समझा–बुझाकर लोगों को शांत किया है। यह हादसा सलोन परशदेपुर मार्ग पर हुआ है। क्षेत्र के गांव पूरे बंधन का पुरवा निवासी दयाशंकर मंगलवार की सुबह अपनी बेटी आरुषि (7 वर्ष) को बाइक से लेकर टिकरिया गांव स्थित एक निजी विद्यालय में पढ़ने के लिए छोड़ने जा रहे थे । रास्ते में सलोन की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी । जिससे मासूम सड़क पर गिर गई ,और ट्रक ने उसे कुचल दिया। जिसके कारण उसकी मौके पर मौत हो गई। इस हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक को खड़ा कर कर मौके से भाग गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिया ।

# ठाकुरगंज में युवक और मलिहाबाद में महिला फांसी पर झूली

**लखनऊ।** राजधानी में इन दिनों खुदकुशी के मामले बढ़ते जा रहे है। सोमवार को तीन युवकों के फांसी लगाये जाने की घटना को चौबीस घंटे नहीं बीते कि मंगलवार को दो और मामले सामने आ गये। थाना ठाकुरगंज में युवक और मलिहाबाद में महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों में खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं होने के कारण पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पहली थाना ठाकुरगंज की है। श्रीमती शमां पत्नी शेर खां निवासिनी कल्यानमल बेनीगंज जनपद हरदोई हाल पता किराये का मकान न्यू फरीदीपुर सरकारी स्कूल के पास ने सूचना दिया कि मंगलवार की सुबह वह अपने कमरे में सो रही थी कि लोगों का शोर सुनकर नीचे आकर देखा तो उसके देवर शाहरूख उम्र 18 गेट में रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मृतक अविवाहित था।

सूचना पर एसआई परवेज अंसारी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। परवेज अंसारी के अनुसार खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। दूसरी घटना थाना मलिहाबाद की है। मान सिंह पुत्र हरिशंकर यादव निवासी ग्राम रायपुर राजा थाना लखनऊ ने सूचना दिया कि मंगलवार को दोपहर समय करीब एक बजे उसे सूचना मिली कि उसकी बहन वंदना यादव उम्र32 पत्नी सूधर लाल उर्फ सुधार यादव पुत्र सूरज यादव निवासी माधोपुर थाना मलिहाबाद की मृत्यु हो गई। इस सूचना पर वह अपने परिजनों के साथ जब अपनी बहन के घर पहुंचा तो देखा कि उसकी बहन वंदना का शव छत के पंखे में साड़ी के फंदा में लटका हुआ है। जानकारी मिलते ही एसआई प्रवंश कुमार भी मौके पर पहुंच गए। उनके द्वारा बताया गया कि मृतका का विवाह करीब 11 वर्ष पूर्व हुआ था। मृतका के तीन बच्चे हैं और पति खेती का कार्य करता है। इसी की खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

# सपा–भाजपा का रोड शो टकराया,अखिलेश बिफरे,टकराव होते–होते बचा

## सपा प्रमुख के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोदी–योगी जिंदाबाद के लगाए नारे

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**कानपुर।** कानपुर में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने सपा की महापौर प्रत्याशी वंदना बाजपेई के समर्थन में वोट मांगे। अखिलेश यादव के रोड से कुछ ही दूरी पर बीजेपी से महापौर प्रत्याशी प्रमिला पांडेय संग भाजपा के पार्षद प्रत्याशी का भी जुलूस निकल रहा था। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी मौजूद थे। कानपुर देहात में जनसभा को खत्म करने के बाद अखिलेश यादव दोपहर 3 बजे कानपुर पहुंचें।

यूपी निकाय चुनाव के अंतिम और दूसरे चरण का मतदान 11 मई को होना है। मंगलवार को चुनाव प्रचार का शोर खत्म होने से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव का रोड शो फूलबाग से होकर

घंटाघर के लिए रवाना हुआ। अखिलेश के रोड शो के दौरान ही भाजपा के जुलूस का नेतृत्व सतीश महाना कर रहे थे। सतीश महाना का रोड शो करीब 70 मीटर आगे चल रहा था,वहीं सपा प्रमुख का काफिला ठीक उनके पीछे था। दोनों जुलूस के आमने–सामने आने से पहले ही टकराव न हो पुलिस सतर्क हो गई। एक जगह पुलिस ने मानव श्रृंखला बनाकर अखिलेश का काफिला कुछ देर के लिए रोक लिया। इस पर सपाइयों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इस बीच अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान वहां से हाथ में भाजपा का झंडा लिए कुछ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के सामने मोदी–योगी जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए।

### सड़क हादसों में 5 लोग घायल, 3 गम्भीर, जिला अस्पताल रेफर

**सिधौली (सीतापुर) ।** अलग– अलग सड़क हादसों में 5 लोग घायल हो गये। जिसमें से 3 को गम्भीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हरिश्चंद्र पुत्र रमेश निवासी रायगंज अपने ससुर ओमकार पुत्र श्रीकृष्ण व साले अमन 18 पुत्र ओमकार निवासीगण गढ़ीखेरवा थाना संदना रिस्तेदार की शादी समारोह से वापस आये थे और किसी कार्य से तीनों कही जा रहे थे तभी गांव के कुछ दूरी पर ही सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। जिससे तीनों घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर को पकड़ कर पुलिस को सूचित किया और घायलों को सीएचसी सिधौली एम्बुलेंस बुलाकर भेजा। सीएचसी से हरिश्चंद्र और ओमकार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसी प्रकार सुमित पुत्र अयोध्या निवासी मानपरा अपनी मामी श्रीमती पत्नी पप्पू निवासी धनाखेरा जिला हरदोई को लेकर मोटरसाइकिल से सोमवार की रात नौ बजे के करीब सिधौली संदना थाना में नदवन गांव से सिधौली की ओर आ रहे थे।

## पति ने पत्नी पर किया चाकू से जानलेवा हमला,मचा हड़कंप

**रायबरेली।** मंगलवार को दीवानी न्यायालय परिसर में उस समय अफरा तफरी मच गई, जब पारिवारिक विवाद में पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। न्यायालय परिसर में महिला पर हुए हमले के बाद भगदड़ मच गई। पुलिस ने हमलावर पति को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि महिला को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कड़ी सुरक्षा वाली दीवानी कोर्ट परिसर में दिनदहाड़े सिरफिरे पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से जानलेवा कर दिया। पति के हमले से गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार रंभा का पुरवा थाना ऊंचाहार की रहने वाली उमा सिंह का अपने पति दुखहरन सिंह से पारिवारिक विवाद न्यायालय में चल रहा है। उमा सिंह मंगलवार को इसी विवाद में पेशी पर आई थी। वह न्यायालय परिसर स्थित अभियुक्त लॉकअप के पास अपने वकील के चेंबर में बैठी थी , उसी समय उसके पति दुख हरण सिंह ने महिला पर चाकू से हमला बोल दिया। हमले में महिला के पेट मे दो गंभीर घाव हो गए। मौके पर मौजूद पुलिस ने महिला को अस्पताल पहुँचाया और आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। पीड़िता के वकील सनोज यादव ने बताया कि उमा सिंह की 22 साल पहले नसीराबाद थाना क्षेत्र तिवारी पुर के रहने वाले दुखहरन सिंह से हुई थी। दोनो के तीन बच्चे है। दुखहरन सिंह कमाई के लिए विदेश गया और जब वापस लौटा तो उसका व्यवहार बदल गया। वो आये दिन अपनी पत्नी को पीटने लगा। पति की पिटाई से परेशान पत्नी ने कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई। जिसका मुकदमा लंबित है ।

# अतीत को पर्यटन से जोड़कर नई पहचान देगी योगी सरकार

## बौद्ध प्राधिकरण क्षेत्र की स्थापना से बुद्ध नगरी का नक्शा बदलेगा पर्यटन विभाग

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों में एक वत्स राज्य की राजधानी रही कौशाम्बी को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार नयी पहचान देने जा रही है। अपने अतीत में सभ्यता और समृद्धि का इतिहास समेटे इस स्थान को उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग श्बौद्ध प्राधिकरण क्षेत्रश के रूप में विकसित करने जा रहा है। निकटवर्ती जिले कौशाम्बी की पहचान उसके अतीत के गौरव से रही है। भगवान बुद्ध के समय भारत के 6 सबसे महत्वपूर्ण नगरों में अपना नाम दर्ज कराने वाली बुद्ध नगरी कौशांबी को उत्तर प्रदेश सरकार ने नई पहचान देने कवायद शुरू दी है। कौशाम्बी के कोसम ईनाम गॉव को पर्यटन विभाग श बौद्ध प्राधिकरण क्षेत्र श के रूप में विकसित कर रहा है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग इस इलाके को ष्बौद्ध प्राधिकरण क्षेत्रष् के रूप में विकसित कर रहा है। पर्यटन विभाग को इसके लिए पहली किश्त के रूप में ध्15 करोड़ प्राप्त हो चुके हैं। विभाग ने इसके लिए इलाके में 11 हेक्टेयर की जमीन भी स्थानीय किसानो से अधिग्रहित कर ली है।

किसानों को उनका मुआवजा भी दिया जा चुका है।

कौशाम्बी की पहचान बुद्धकालीन स्थलों से रही है। भगवान बुद्ध की तपोस्थली कौशांबी के कोसम ईनाम और कोसम खिराज गावों में भगवान बुद्ध से संबंधित स्मृतियां और प्रतीक मौजूद हैं। इनमे वत्स देश के राजा उदयन का किला, उसके भग्नावशेष, सम्राट अशोक का स्तंभ, उदयन का राजप्रसाद, घोषीताराम विहार स्थल प्रमुख हैं। योगी सरकार ने इन्हें विकसित करने के लिए वृहद् योजना तैयार की है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक जिले के कोसम ईनाम गॉव में पर्यटन विभाग बुद्धा थीम पार्क का निर्माण कर रहा है। इस पार्क में कैफेटेरिया , म्यूजियम, पार्किंग और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यहां विकसित किये जा रहे स्थलों के सतत विकास के लिए इनका व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से विकास और विस्तार होना भी आवश्यक है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि इस पूरे इलाके को बौद्ध सरंक्षित क्षेत्र घोषित करने के लिए इसे बौद्ध–प्राधिकरण क्षेत्र घोषित किये जाने की योजना है। पर्यटन विभाग ने जिलाधिकारी कौशाम्बी को इस क्षेत्र को प्राधिकरण क्षेत्र घोषित करने के लिए प्रस्ताव भी भेजा है। प्राधिकरण क्षेत्र घोषित होने के बाद यहाँ व्यवस्थित निर्माण की योजना लागू की जायेगी। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। क्षेत्र में स्थानीय लोगो को अपने घरो में पेइंग गेस्ट की सुविधा देने का प्रस्ताव भी है।

## बारात से लौट रही कार ने 2 छात्राओं को रौंदा, एक की मौत

**कुशीनगर।** जनपद के कसया थाना क्षेत्र के गोबरही चौराहे के समीप घर से स्कूल जा रही दो छात्राओं को एक तेज रफ्तार कार ने रौंदते हुए कार को कुछ दूर पर कड़ा कर चालक फरार हो गया। इस दुर्घटना में एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी छात्रा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। जहाँ इलाज के दौरान चिकित्सकों ने छात्रा की हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कालेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह लगभग 7रू30 बजे थाना क्षेत्र के परशुरामपुर निवासी मोहन की सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली 12 वर्षीय पुत्री अर्पिता अपनी सहपाठी साक्षी राव पुत्री सुभाष के साथ स्कूल पढ़ने जा रही थी। दोनों छात्रा अभी स्कूल के सामने ही पहुँची थी कि बारात से लौट रही तेज रफ्तार कार ने विद्यालय के सामने ही दोनों को रौंदते हुए कुछ दूर पर गाड़ी खड़ाकर चालक फरार हो गया। दुर्घटना में अर्पिता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि साक्षी गम्भीर रूप से घायल हो गई। घटना को देख कुछ समय के लिए चौराहे पर अफरा–तफरी का माहौल कायम हो गया।

# बंद हुआ निरंजन डाट का पुल का रास्ता, शहर में भीषण जाम

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** शहर की हार्ट लाइन माना जाने वाले निरंजन डॉट पुल के नीचे आवागमन 100 दिन के लिए बंद किया गया है। आज पहला दिन है। पहले ही दिन प्रयागराज भीषण जाम के दर्द से कराह उठा। मंगलवार सुबह से ही पूरे शहर में जाम की स्थिति बनी हुई है। चारों तरफ जाम होने की वजह से लोग अपनी जान को खतरे में डालकर रेलवे लाइन को पार कर निकल रहे हैं। जबकि सामने से आ रही ट्रेन का उन्हें कोई परवाह नहीं।

पुल के नीचे आवागमन बंद होने से रामबाग रेलवे ओवरब्रिज, रामबाग चौराहा, मेडिकल चौराहा, ईदगाह, डीएसए ग्राउंड स्थित रेलवे ओवर ब्रिज, पानी की टंकी, नवाब युसूफ रोड आदि जगहों पर भीषण जाम लगा हुआ है। जाम न लगे इसके लिए प्रशासन मुस्तैद है लेकिन पुल के बंद हो जाने के कारण अन्य रास्तों पर लोड काफी ज्यादा बढ़ गया है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल का रेल ब्रिज संख्या 38 को निरंजन रेल अंडर ब्रिज के नाम से

जाना जाता है। मौजूदा समय ब्रिज के ऊपर से पांच रेल लाइन है। एक और रेल ट्रैक बिछाने के बाद इसकी संख्या कुल छह हो जाएगी। दरअसल झूंसी से प्रयागराज जंक्शन तक रेल ट्रैक दोहरीकरण की वजह से ही निरंजन पुल पर एक और रेल ट्रैक बिछाया जाना है। इसको लेकर पिलर का निर्माण व आरसीसी के गर्डर लगाए जाएंगे। इस अवधि में अलग–अलग दिन कुछ घंटे के लिए ट्रेनों का भी आवागमन रोका जाएगा। ब्लॉक अवधि में कुछ ट्रेनें वाया ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के रास्ते भी चलाई जा सकती हैं। ऐसे में इन ट्रेनों का ठहराव रेलवे प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर करेगा।

# संक्षिप्त खबरे

## थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 04 अदद अवैध देशी बम बरामद

**प्रयागराज।** थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा दिनांक 09.05.2023 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त आदित्य उर्फ बल्लू पुत्र राकेश निवासी चकदाऊद नगर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से 04 अदद अवैध देशी बम किये गये । उक्त गिरफ्तारी , बरामदगी के सम्बन्ध में थाना नैनी में मु0अ0सं0–236/23 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही हैं ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–आदित्य उर्फ बल्लू पुत्र राकेश निवासी चकदाऊद नगर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 22 वर्ष । पंजीकृत अभियोग,आपराधिक इतिहास का विवरण–1.मु0अ0सं0–236/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना नैनी प्रयागराज ।2.मु0अ0सं0–93/2022 धारा 379/411 भा.द.सं. थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज । पुलिस टीम का विवरण– 1.उ0नि0 उमाशंकर सिंह यादव चौकी प्रभारी कस्बा नैनी थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 सुरेन्द्र कुमार यादव थाना नैनी कमिश्रेट प्रयागराज । 3.का0 संदीप कुमार थाना नैनी कमिश्रेट प्रयागराज ।

## थाना उतरांव पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना उतरांव पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 71/2023 धारा 388/389 भा0द0सं0 में वांछित अभियुक्त शिवकुमार उर्फ बुल्ले पुत्र नन्हकू राम निवासी ग्राम श्रीपुर थाना उतरांव जनपद प्रयागराज को दिनांक 09.05.23 को गायत्री ढाबे के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त अपने सहयोगी अभियुक्ता सितारा देवी पत्नी महेन्द्र कुमार निवासिनी ग्राम बेलहरा मोहम्मदाबाद थाना उतरांव जनपद प्रयागराज एवं राजकुमारी पत्नी हिन्छ लाल निवासिनी ग्राम थानापुर थाना सरायममरेज जनपद प्रयागराज के साथ मिलकर गांव समाज के सम्भ्रांत व्यक्तियों पर छेड़खानी व बलात्कार का फर्जी मुकदमा मा0 न्यायालय में दाखिल कर लिखाने की धमकी देकर लोगों से धन उगाही करने के सम्बंध मे थाना स्थानीय पर मुकदमा उपरोक्त पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त – शिवकुमार उर्फ बुल्ले पुत्र नन्हकू राम निवासी ग्राम श्रीपुर थाना उतरांव जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 37 वर्ष सम्बन्धित अभियोग– मु0अ0सं0 71/2023 धारा 388/389 भा0द0सं0 थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 उ0नि0 महेश चन्द थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2. हे0का0 राजीव कुमार थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 3. हे0का0 अमरजीत यादव थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज।

## थाना करछना पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना करछना पुलिस द्वारा थाना करछना में पंजीकृत मु0अ0सं0 144/23 धारा 307/452/506 भादंवि0 में वान्छित अभियुक्त प्रमोद कुमार द्विवेदी पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर द्विवेदी नि0 हनुमानपुर धरवारा थाना करछना प्रयागराज को ग्राम रामपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 देशी तमंचा 12 बोर व 01 खोखा करतूस 12 बोर बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारीध्बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 3225 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की गयी। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–प्रमोद कुमार द्विवेदी पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर द्विवेदी नि0 हनुमानपुर धरवारा थाना करछना प्रयागराज, उम्र करीब 36 वर्ष सम्बन्धित अभियोग–मु0अ0सं0 144/23 धारा 307/452/506 भादवि व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी– 01 देशी तमंचा 12 बोर व 01 खोखा करतूस 12 बोर गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–
1. उ0नि0 विनीत कुमार यादव थाना करछना प्रयागराज
2. उ0नि0 अखिलेश राय थाना करछना प्रयागराज
3. उ0नि0 राजेश कुमार थाना करछना प्रयागराज।

## हरिजन बस्ती में संधिग्ध परिस्थिति में लगी आग

**प्रयागराज।** विकास खण्ड कौंधियारा थाना क्षेत्र में अंतर्गत ग्राम पंचायत कैथा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग जाने से घर में रखे अनाज भूसा व अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई। ग्राम प्रधान पति अजय कुमार एवं थाना कौंधियारा पुलिस बल की मौजूदगी में आग बुझाने में काबू पाया। आग लगने से हरिजन बस्ती जलकर राख हो गई। आग किन कारणों से लगी इसका कोई पता नहीं चल सका। आग पर काबू पाने के लिए कड़ाके की धूप में पुलिस बल और ग्राम वासियों द्वारा काफी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया गया। कैथा गॉव में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से मुन्नी लाल हरिजन, सरजू , जयकरन, राज करन, अवधेश, छवि नाथ, चिंतामणि इन लोगो के घर में रखे सारे सामान जल कर खाक हो गया। उत्तर प्रदेश सरकार से इन लोगों द्वारा गुजारिश की गई कि जीवन यापन करने के लिए मुआवजे देने के लिए कष्ट करें। जिससे गरीबों को परिवार का पालन पोषण हो सके।

## विधायक विजमा की सजा बढ़ाए जाने के लिए अपील का प्रस्ताव शासन को रवाना

**विधि संवाददाता।** 23 साल पहले सहसों क्षेत्र में बलवा, मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा मारपीट मामले में एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा 23 फरवरी 23 को सजा दिए जाने के मामले में विधायक विधायक विजमा यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। डीजीसी द्वारा अपील का प्रस्ताव डीएम को भेजे जाने पर डीएम द्वारा शासन को भेज दिया गया है। डीजीसी गुलाब चंद्र अग्रहरी ने बताया कि उक्त मामले में स्पेशल जज एमपी एमएलए कोर्ट दिनेश चंद्र शुक्ला द्वारा सभी आरोपियों को बरी करते हुए विजमा यादव को कम सजा दी गई थी। जिस पर उनके निर्देशन में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील कुमार बैश द्वारा दफा 377 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत सजा बढ़ाए जाने के लिए अपील का प्रस्ताव किया गया था।

# आरोपी प्रोफेसरों की बर्खास्तगी को लेकर कुलपति कार्यालय का घेराव

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** इलाहाबाद विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न के तीनों भगोड़े आरोपी प्रोफेसरों को तत्काल उनके पदों से बर्खास्त कर विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित को लेकर छात्रों ने आज कुलपति कार्यालय का घेराव किया। छात्रों ने कुलपति कार्यालय का घेराव करते हुए रजिस्टार प्रो. एन.के. शुक्ला को ज्ञापन देते हुए अवगत कराया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा, रिटायर्ड प्रोफेसर प्रहलाद कुमार व वर्तमान कार्यरत प्रोफेसर जावेद अख्तर को निष्पक्ष जाँच संपादित करने के लिए अपने पदों से त्याग पत्र देना चाहिए और उनका विश्वविद्यालय परिषर में प्रवेश प्रतिबंधित होना चाहिए। यही न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक होगा। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त प्रोफेसरों के खिलाफ न्यायालय ने गैर

जमानती वारंट जारी कर रखा है परंतु यह खुले रूप से विश्वविद्यालय परिसर में अपना काम कर रहे हैं। यह कानून के शासन को चुनौती है और जांच की प्रक्रिया में बांधा है। छात्रों ने कहा कि यह बहुत ही बड़ी चिंता का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में जब एक शिक्षिका सुरक्षित नहीं है तो आम छात्राएं कैसे सुरक्षित रहेंगी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 135 साल के इतिहास में आप विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति हैं, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एक महिला शिक्षिका के साथ किया गया यौन उत्पीड़न व एससी एसटी शोषण के खिलाफ एक महिला होनें के नाते आप उस महिला शिक्षिका को न्याय दिलाने में उनकी मदद करें, और तीनों आरोपी रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा वर्तमान में नीति आयोग चेयरपर्सन, रिटायर्ड प्रोफेसर प्रहलाद कुमार वर्तमान में कोऑर्डिनेटर व वर्तमान कार्य प्रोफेसर जावेद अख्तर इन तीनों प्रोफेसरों को तत्काल इनके पद से बर्खास्त कर इनको विश्वविद्यालय परिसर के अंदर संपूर्ण बैन लगाया जाये। एक जांच कमेटी गठित कर मामले की पूरी जांच कराई जाए। उस प्रताड़ित महिला प्रोफेसर को न्याय दिलाएं और उन आरोपी प्रोफेसरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। इस मौके पर छात्रा शबनम बानो, अंजना कुशवाहा, नाविका जयसवाल, खुशी प्रिया, हरेंद्र यादव, राहुल सरोज, अशफाक खान, राहुल पटेल, शक्ति राय, मनीष कुमार, अखिलेश, प्रशांत, कुलदीप, रुद्राक्ष, विनीत विश्वास, प्रमोद, श्री राम, शुभम, धीरज, समीर, विद्यासागर, अनुभव, अक्षय, मुकेश, मनजीत, विकास, अनुराग, निखिल, ललित आदि लोग उपस्थित रहे।

## चार साल से पुलिस को चकमा दे रहा माफिया बद्दा

**मेरठ।** ढाई लाख के कुख्यात माफिया बदन सिंह बद्दो पर डीजीपी की ओर से पांच लाख के इनाम की सिफारिश शासन को भेजी गई है। प्रदेश सरकार बद्दो पर जल्द ही पांच लाख के इनाम की संस्तुति कर सकती है। इसके साथ ही प्रदेश में सबसे ज्यादा पांच लाख के चार इनामी मेरठ रेंज में हो जाएंगे। इससे पहले तीन कुख्यात अपराधियों पर पांच लाख का इनाम हो चुका है। प्रयागराज में उमेशपाल हत्याकांड के बाद प्रदेश सरकार ने मोस्ट वांटेड बदमाशों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बदमाशों पर इनाम की राशि बढ़ाई जा रही है। यूपी पुलिस की वेबसाइट के मुताबिक मेरठ रेंज की बात करें तो अभी पांच लाख के इनामी अपराधियों में कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के शिवलोकपुरी निवासी विजेंद्र सिंह हुड्डा, बुलंदशहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में बहलीनपुर पन्नीनगर निवासी भूदेव पुत्र महावीर और गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र के रामेश्वर पार्क निवासी दीप्ति बहल हैं।

## नाबालिग युवती ने नीम के पेड़ से लटककर की आत्महत्या

**रतनपुरा, मऊ।** हलधरपुर थाना क्षेत्र के चकरा न्याय पंचायत मुख्यालय अवस्थित चकरा ग्राम पंचायत में साड़ी के फंदे में पेड़ से लटकती हुई 17 वर्षीय एक नाबालिग बालिका की लाश मिली है। ग्रामीणों की सूचना पर हलधरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर के लाश को अपने कब्जे में ले लिया और उसका पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया। इस सम्बन्ध में मृतका की मां लालमुनि देवी ने थाने में तहरीर दी है। बताया जाता है कि चकरा ग्राम पंचायत निवासिनी कुमारी सुधा 17 वर्ष पुत्री स्वर्गीय अर्जुन राम सोमवार की रात्रि लगभग 9 बजे के आसपास अपने घर से निकली। परिजनों ने सोचा कि थोड़ी देर बाद में लौट आयेगी परन्तु काफी देर रात्रि तक बालिका घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता सताने लगी। परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। काफी खोजबीन करने के बाद भी बालिका का कोई अता पता नहीं चला। परिजन मायूस हो गये। मंगलवार की प्रातः लगभग छह बजे गांव के लोग सिवान की तरफ निकले तो उन्होंने नीम के पेड़ पर साड़ी के सहारे लटकती हुई लाश मिली। पेड़ पर लटकती बालिका की पहचान सुधा पुत्री स्व अर्जुन राम के रूप में हुई। ग्रामीणों ने जब शोर मचाया तो शोर गुल सुनकर मृतका के परिजन भी वहां पहुंच गए। सुधा चार भाई बहनों में सबसे छोटी थी। और अपनी मां लालमुनि एवं बहन अंशू के साथ घर पर रहती थी। मृतका के दो बड़े भाई शनि,मनि रोजी रोटी के चक्कर में बाहर रहते हैं। सुधा के पिता का निधन कुछ दिन पूर्व हो गया है। घटनास्थल पर पहुंची मृतका की मां लालमुनि देवी एव बहन अंशू का रोते रोते बुरा हाल है। आंसू रूकने का नाम नहीं ले रहा था। अपनी बेटी का लाश देखकर माता लालमुनि देवी रह रह कर बेहोश हो जा रही थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची हलधरपुर की पुलिस टीम ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजवाया।

# खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी की मशाल रैली का जोरदार स्वागत

**प्रयागराज।** खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मशाल रैली प्रयागराज में सोमवार को निकाली गई। अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मेयो हाल से निकली रैली शहर के प्रमुख स्थानों से होते हुए गुजरी। जगह–जगह खिलाड़ियों ने रैली का जोरदार स्वागत किया। रैली को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। रैली में शामिल खिलाड़ियों ने रैली के उद्देश्य और आने वाले दिनों में होने वाले आयोजनों के बारे में जानकारी दी। सोमवार को सुबह छह बजे से रैली शुरू हुई। पहले इस तरह की मशाल रैली ओलंपिक खेलों और खेलो इंडिया के आयोजन पर ही निकाले जाते थे। पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मशाल निकाली जा रही है। कार्यक्रम में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंता, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, सीडीओ, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी समेत तमाम अधिकारी और खिलाड़ी मौजूद रहे। लखनऊ में चार स्थानों पर 12 खेल खेले जाएंगे। इनमें तीरंदाजी, जूडो, मल्लखंब, वॉलीबाल, तलवारबाजी, बैडमिंटन, टेबल–टेनिस, रग्बी, एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबॉल शामिल हैं।

वहीं गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में तीन स्थानों पर कुल पांच खेल खेले जाएंगे, जिनमें बास्केटबॉल, कबड्डी, मुक्केबाजी, तैराकी और भारोत्तोलन शामिल है। इसके अलावा वाराणसी के आईआईटी–बीएचयू में दो खेल कुश्ती और योगासन के खेल आयोजित होंगे।

गोरखपुर में रोइंग और दिल्ली में शूटिंग के खेल का आयोजन होगा। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेल में रोइंग को पहली बार शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 4705 एथलीट, 941 सपोर्ट स्टाफ, 1500 वॉलिंटियर समेत लगभग आठ हजार से अधिक लोग प्रदेश में आएंगे।

# आईईआरटी : मैकेनिकल इंजीनियरिंग से बन सकता है सुनहरा भविष्य

## 10वीं के बाद कर सकते हैं मैकेनिकल इंजीनियरिंग

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** 10वीं कक्षा के बाद जिन छात्र–छात्राओं को मैकेनिकल इंजीनियर बनना चाहते है तो वह आईईआरटी संस्थान में चल रही सात विष्टिताओं के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर अपना कैरियर बना सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन साल का है। तीन साल की डिग्री हासिल करने के बाद छात्र–छात्राएं सरकारी और प्राइवेट उपक्रम में नौकरी पक्की समझ सकते हैं। यह एक अच्छा कैरियर विकल्प है। विद्यार्थियों को इंजीनियर बनने के लिए मैथ्स और फिसिक्स की जानकारी होना जरूरी होती है ताकि तकनीकी बारीकियों को आसानी से समझ सकें। वर्तमान में मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्रो के लिए बेहतर विकल्प बनता जा रहा है। अधिकतर लोग इस क्षेत्र में अपना करियर बना रहे हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मशीनों से संबन्धित जानकारी दी जाती है। इसमें मशीनों का किस तरह से निर्माण किया जाता है और किस तरह से मशीन अपना काम करती है। आईईआरटी संस्थान में मैकेनिकल आटो मोबाइल, मैकेनिकल पावर प्लांट, मैकेनिकल प्रोडक्शन, मैकेनिकल रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, मैकेनिकल टूल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल ट्यूबेल इंजीनियरिंग व प्लास्टिक टेक्नोलॉजी में 75–75 सीटें हैं। इस संबंध में आईईआरटी संस्थान के प्रवेश परीक्षा सचिव उमा शंकर वर्मा ने बताया कि मैकेनिकल इंजीनियर का कोर्स कर सरकारी नौकरी के लिए तो अप्लाई किया ही जा सकता है वहीं प्राइवेट कंपनियों में भी मैकेनिकल इंजीनियर की काफी डिमांड रहती है। आजकल हम मशीन के युग में जी रहे हैं और जहां एक मशीन है, वहां एक मैकेनिकल इंजीनियर की जरूरत है। इसलिए मैकेनिकल इंजीनियर्स के लिए कभी भी जॉब ऑप्शन्स की कमी नहीं हो सकती है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। सैलरी पढ़ाई और कंपनी के ऊपर निर्भर करती है।

## डीजे से कुचलकर आठ वर्षीय बालक की मौत

**घोसी, मऊ।** स्थानीय कोतवाली अंतर्गत बोझी क्षेत्र के पीवाताल में सोमवार की दोपहर करीब दो बजे डीजे लदी गाडी की चपेट में आने से एक आठ वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने बालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है। कोतवाली अन्तर्गत बोझी क्षेत्र के पीवाताल गांव में डीजे गाड़ी के चपेट में आने से एक आठ वर्षीय बालक आयुष पुत्र वृजभान निषाद की मौत हो गई। पीउवाताल गाँव में सोमवार को गांव के ही निवासी अनिल गोंड पुत्र स्व0 राजकुमार गोंड़ की बारात ले जाने की तैयारी चल रही थी।

# जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा पुलिस बल के साथ की ब्रीफिंग

## – जांच के उपरांत फर्जी मतदाताओं के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**मऊ।** नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के तहत जनपद में 11 मई को मतदान होना है। इस हेतु जिला प्रशासन द्वारा समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित परिसर में समस्त जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा पुलिस बल के साथ जिलाधिकारी अरुण कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने ब्रीफिंग की। जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित समस्त जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटो एवम् पुलिस बल को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवम् शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराएं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं पुलिस बल को उनके लिए निर्धारित कार्यों का गहनता से अध्ययन करने एवं कोई समस्या हो तो पूर्व में ही उसका समाधान कर लेने के निर्देश दिए। फर्जी मतदाताओं की आशंका को देखते हुए जिलाधिकारी ने किसी भी प्रकार का शक होने पर पहचान पत्रों की गहनता से जांच करने

के बाद ही मतदान करवाने के निर्देश दिए। साथ ही जांच के उपरांत फर्जी पाए जाने पर ऐसे लोगों के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को पीठासीन अधिकारी द्वारा किसी भी समस्या को संज्ञान में लाने पर तत्काल कार्यवाही करने अथवा कंट्रोल रूम में उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिस बल को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी तरह से मतदान केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ न लगने पाए, इस बात का विशेष ध्यान रखें। मतदान केंद्र पर मतदाताओं को लगने वाली स्याही पर विशेष नजर रखने के भी निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए,जिससे फर्जी मतदान की संभावना ना बने। ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने समस्त पुलिसकर्मियों को समय से पहले ही निर्धारित स्थलों पर पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी तरह का

# ईगल आई शूटिंग अकादमी प्रयागराज को ओवरआल चौंपियनशिप

**प्रयागराज।** ईगल आई शूटिंग अकादमी प्रयागराज ने प्रयागराज ओपन डिस्ट्रिक्ट निशानेबाजी चौंपियनशिप में 67 पदक लेकर ओवरआल चौंपियनशिप पर कब्जा जमाया। लखनऊ 22 पदक के साथ दूसरे एवं अयोध्या 16 पदक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। चौंपियन ऑफ चौंपियन के लिए इंडियन शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन रूल (आईएसएसएफ) पिस्टल वर्ग में लखनऊ के आदर्श, लखनऊ के ही ऋषभ और प्रयागराज की आफिया मुस्कान, नेशनल रूल (एनआर) में प्रयागराज के महेंद्र, अरुण व चंद्रजीत क्रमशः स्वर्ण एवं रजत पदक जीता। राइफल के आईएसएसएफ में सुमंत (लखनऊ) ने स्वर्ण, शैलजा (प्रयागराज) ने रजत एवं मिहिर श्रीवास्तव (लखनऊ) ने कांस्य पदक एवं एनआर में लखनऊ के किशन, प्रयागराज के वैभव आनंद एवं लखनऊ के आध्या ने क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीता। बालसन चौराहा स्थित संदेश अकादमी के हॉल में मंगलवार को संपन्न हुई प्रतियोगिता में राइफल वर्ग में शैलजा यादव ने तीन, मिहिर श्रीवास्तव ने दो तथा शिवांग राय, सार्थक, किशन, देवेंद्र, अक्षय प्रताप, अक्षिता, वैभव आनन्द ने एक–एक स्वर्ण पदक जीता। पिस्टल वर्ग में दिव्यांशी ने दो, मुस्कान, श्रेया सिंह, अरुण सरोज, सरिता, अविनाश, क्रिश यादव, कृष्णा, प्रत्येय परेरा, फरहान जाफरी, कदीजा एवं दर्श पाण्डेय ने एक–एक स्वर्ण पदक जीता, शैलजा ने दो, अवधेश पटेल, महिमा, अक्षय प्रताप, प्रशान्त, महेंद्र यादव, शैली कुशवाहा, ओफिरा, अरमान, विष्णुप्रिया ने एक–एक रजत और अरमान व विष्णुप्रिया ने कांस्य पदक जीता। मुख्य अतिथि न्यूरोसर्जन डॉ. एसपीएस चौहान एवं विशिष्ट अतिथि संदेश अकादमी के संस्थापक रवि ने पुरस्कार वितरित किये। अकादमी के राइफल कोच फरीद सिद्दीकी ने अतिथियों का स्वागत एवं पिस्टल कोच विजय चंदेल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

**–: संस्थापक :–**

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

**संपादक**

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

**R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804**

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।